

LIII.

Ô | jě| nē| tě| bē| lě, | p̄r| kōe|
Éin|s̄i| l'ēt| pléin| d'un| re|kār-| fiér|
T̄r|nē-| tū| sūr| mœ̄| dě| kō̄| tē ?|
M'â-| tū| pr̄s| p̄r| kēl| kē| sōt ? <·|
5 Tant| je| sō| rē| bién| te| ran| jér,
T'an| bō̄| chér| d'un| mōrs| de| d̄s| ser,|
Rê|ne|z an| ma| méin| te| mon| trér|
Trōt, | ja| loop,| pa| s an| tre| pas. <·|
M̄s| fa| r̄s̄| che| par| le| p̄t̄|
10 Sō|te| lan| t a| bons| tu| t'an| fuis.|
Kar| tū| kréins| k'un| bon| che| voo| chér|
T'aſ̄| tē| don| té| d̄s| tre| mant. <·|
Ô | re| vē| che, | d̄s̄| s'| a| tan-| mœ̄.|
Tién| ta| k̄r| se :| lâ| che| ton| k̄r :|
15 L̄s| se| t'â| pr̄o| chér| du| mon| t̄er :|
An| la| bō̄| che| pran| le| mōrs. ·><· <·|